Dr Anshu Pandey
Assistant Professor
History department

यूरोप में सर्वसत्तावाद का उदय
(Rise of Totalitarianism in Europe)

स्पेन का गृहयुद्ध (1936–1939): कारण, प्रकृति और सर्वसत्तावाद से संबंध

स्पेन का गृहयुद्ध यूरोप में सर्वसत्तावादी प्रवृत्तियों के विस्तार को समझने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण घटना है। यह युद्ध केवल स्पेन तक सीमित नहीं था, बल्कि यह यूरोप में लोकतंत्र, फासीवाद और साम्यवाद के बीच चल रहे वैचारिक संघर्ष का प्रतीक बन गया था। इस युद्ध ने स्पष्ट कर दिया कि प्रथम विश्व युद्ध के बाद यूरोप किस प्रकार राजनीतिक अस्थिरता और वैचारिक ध्रुवीकरण का शिकार हो चुका था।

स्पेन में 1931 में राजशाही का अंत हुआ और गणतंत्र की स्थापना की गई। प्रारंभ में यह आशा की गई कि गणतांत्रिक शासन सामाजिक सुधार, भूमि सुधार और लोकतांत्रिक मूल्यों को स्थापित करेगा। परंतु वास्तव में यह सरकार विभिन्न राजनीतिक दलों, वामपंथी और दक्षिणपंथी विचारधाराओं के बीच संघर्ष में फँस गई। भूमि सुधार की धीमी गति, चर्च और सेना के प्रभाव को समाप्त न कर पाना तथा आर्थिक संकट ने समाज को विभाजित कर दिया।

एक ओर समाजवादी, कम्युनिस्ट और अराजकतावादी शक्तियाँ थीं जो सामाजिक समानता और मजदूर अधिकारों की बात कर रही थीं, वहीं दूसरी ओर चर्च, सेना, भूमिपति और रूढ़िवादी वर्ग थे जो पारंपरिक सत्ता संरचना को बनाए रखना चाहते थे। यही वैचारिक टकराव अंततः गृहयुद्ध में बदल गया।

1936 में जनरल फ्रांसिस्को फ्रांको के नेतृत्व में सेना के एक बड़े हिस्से ने गणतांत्रिक सरकार के विरुद्ध विद्रोह कर दिया। यह विद्रोह शीघ्र ही एक व्यापक गृहयुद्ध में परिवर्तित हो गया। फ्रांको को नाज़ी जर्मनी और फासीवादी इटली से सैन्य सहायता मिली, जबकि गणतांत्रिक सरकार को सोवियत संघ और अंतरराष्ट्रीय ब्रिगेड्स का समर्थन प्राप्त हुआ।

स्पेन का गृहयुद्ध केवल सत्ता के लिए संघर्ष नहीं था, बल्कि यह सर्वसत्तावादी और लोकतांत्रिक शक्तियों के बीच प्रत्यक्ष टकराव था। फ्रांको की विचारधारा में राष्ट्रवाद, सैन्यवाद, चर्च का समर्थन और कठोर अनुशासन प्रमुख थे, जो सर्वसत्तावादी शासन की स्पष्ट विशेषताएँ थीं।

1939 में फ्रांको की विजय हुई और स्पेन में एक दीर्घकालिक तानाशाही शासन स्थापित हुआ। फ्रांको ने सभी राजनीतिक दलों पर प्रतिबंध लगा दिया, प्रेस की स्वतंत्रता समाप्त कर दी और विरोधियों को जेलों तथा श्रम शिविरों में डाल दिया। यह शासन यह दर्शाता है कि गृहयुद्ध और राजनीतिक अराजकता किस प्रकार सर्वसत्तावाद के लिए अनुकूल परिस्थितियाँ उत्पन्न करती हैं।

स्पेन का गृहयुद्ध यूरोप के लिए एक चेतावनी थी, जिसे दुर्भाग्यवश अनदेखा कर दिया गया। इसी अनदेखी का परिणाम द्वितीय विश्व युद्ध के रूप में सामने आया।